"Knowledge Scholar"
An International Peer Reviewed E-Journal Of Multidisciplinary Research
Volume: 08, Issue: 05, Sept. – Oct. 2021 eISSN NO. 2394-5362
Impact Factor (SJIF) – 5.266

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका

बृजमोहन यादव
सहायक आचार्य
राजनीती विज्ञानं
राजकीय महाविद्यालय
शिवगंज सिरोही,राजस्थान,भारत

लोकतंत्र मे मीडिया को व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद चौथा स्तम्भ माना जाता है वस्तुतः लोकतंत्र की कल्पना घनिष्ठ रूप से संबंधित है मीडिया के बिना लोकतंत्र की कल्पना करना निरर्थक है मीडिया ने ही लोकतंत्र के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सर्वप्रथम मीडिया और लोकतंत्र का अर्थ समझना जरूरी है।

लोकतंत्र का अर्थ :– सामान्य अर्थ में लोकतंत्र का अर्थ है लोगो का शासन अर्थात् अंतिम सत्ता जनता में निहित होना और जनता द्वारा स्वयं या अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भागीदारी करना यहां दो शर्तें पूरी होना जरूरी है।

प्रथमः– चुनाव के माध्यम से शासन में जनता की भागीदारी **द्वितियः**– अंतिम सत्ता स्वयं जनता या जनता के चुने प्रतिनिधियों में निहित होना।

मीडियां का अर्थः– विभिन्न और विविध रूपों में विद्यमान जानकारी तथा विचारों को कम से कम समय में एक साथ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तक प्रयुक्त प्रोद्योगिक रूप को मीडियां कहां जाता है।

भूमिकाः– किसी भी देश की उन्नति व प्रगति में मीडियां का बहुत बड़ा योगदान होता है , अगर यहां कहा जायें कि मीड़ियां समाज का दर्पण है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण भरे पड़ेंह ै जब मीडिया की शक्ति को पहचानते हुए लोगों ने उसका उपयोग लोक परिवर्तन के भरोसेमंद हथियार के रूप में किया है अंग्रेजों की गुलामी से पीड़ित भारतीयों में देश भक्ति द उत्साह का संसार करने में मीडिया की महती भूमिका थी। आज भी मीड़िया की ताकत के सामने बड़ें से बड़ा राजनता, उद्योगपति, प्रशासन आदि सभी सिर झुकाते है। मीड़िचा का जनजागरण में बहुत बड़ा योगदान है। सार्वजनिक कार्यो जैसे प्लस पोलियों अभियान एड्स जागरूकता, स्वच्छ भारत अभियान वोट डालने के लिए प्रेरित करना अदि अनेक कार्यों में मीड़िया की भूमिका सराहनीय रही है। मीडिया समय समय पर नागरिको को उनके अधिकरों के प्रति जागरूक करता रहता है। देश में भ्रष्टचारियों पर कड़ी नजर रखता है। समय समय पर स्टिंग ऑपरेशन कर इन सफेद पोशों का काला–चेहरा दुनिया के सामने बेनकाब करता रहता है। लोकतंत्र में मीड़िया की भूमिका को दो रूपों में देशा जा सकता है।

अब्राहम लिंकन के शब्दों में– लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा जनता के लिए शासन है– अर्थात सरकार जनता द्वारा चुनाव के माध्यम से निश्चित समय के लिए चुनी जाती है और अंतिमरूप से जनता के प्रति उतरदायी है अतः स्पष्ट है कि लोतंत्र लोगों को शासन है।

मीड़िया का अर्थ :– मीड़िया संचार की वह प्रद्योगिकी है जिसके माध्यम सें विभिन्न सूचनाएं कम से कम समय में अधिक से अधिक लोगों तक बिना किसी अवरोध के पहुचायी जाती है मीडिया के दो रूप वर्तमान में प्रचलित है (1) इलैक्ट्रोनिक मीड़िया (2) प्रिंट मीड़िया।

इलेक्ट्रोनिक मीड़ियाः– इलेक्ट्रोनिक मीड़िया में, टीवी, रेड़ियों, इन्टरनेट, ई–मेल आदि आतें है। टीवी रेड़ियों आदि के माध्यम सूचनाएं तीव्र गति से प्रचारित की जा सकती है।

प्रिंट मीड़िया:– इलेक्ट्रोनिक मीड़ियां प्रिंट मीड़िया में समाचार पत्र लेख आदि शामिल है मीडिया का उदेश्य जनमत को जागरूक करना है।

लोकतंत्र के उद्देश्य– लोकतंत्र वर्तमान समय सर्वाधिक प्रचलित प्रणाली है और जनता के हितों के अनुकूल है लोकतंत्र के निम्न उदेश्य देखे जा सकते है।

सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर बल:– लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में शासन को अनेक केन्द्रों में विभाजित किया जाता है और यह शक्ति संविधान द्वारा प्रदत होती है जैसे– भारत में केन्द्र–राज्य पंचायतो में शक्तियो का वितरण किया गया है साथा एक–दूसरे के मामलो मे अहस्तक्षेप का सिद्वान्त कार्य करता है यह कार्य स्वतंत्र न्यायपालिका करवाया जाता हैं।

संसाधनो पर सार्वजनिक नियंत्रण:– लोकतंत्र में देश के संसाधनो पर सार्वजनिक नियंत्रण होता है जैसे किसी भी योजना मद पर व्यय करने के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा पारित होना अनिवार्य है बजट आदि लोकप्रिय सदन में ही प्रस्तुत किया जा सकता है।

राजनीतिक स्वतंत्रता :– चूकि लोकतंत्र लोगो का शासन हैं इसमें सरकार का निर्माण व्यक्तियों के वोटो द्वारा निर्धारित होता है अर्थात् लोगो को राजनीतिक गतिविधियों और क्रियाकलापों में बढ चढकर भाग लेने की स्वतंत्रता ही राजनीतिक स्वतंत्रता है चाहे वोट डालना प्रत्याक्षी की दावेदारी सार्वजनिक चर्चा में भाग लेना आदि।

जनजागरण एवं लोककल्याण :– लोकतंत्र का मुख्य उद्देश्य ही लोककल्याण करना है साथ ही जनता को उनके अधिकारां के प्रति जागरूक कर जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार किया जाता है उदाहरण स्वरूप भारत में संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली विद्यमान है अनेक लोककल्याणकारी योजनाए जैसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली, महानरेगा, वृद्वावस्था पेंशन स्कीम, छात्रवृत्ति स्कीम आदि का उद्देश्य जनता का कल्याण ही है इसके साथ साथ इन लोककल्याणकारी योजनाओं द्वारा जनता को जागरूक किया जाता है ताकि लोग अपनी जिम्मेदारियो एवं दायित्वों का पूरी तत्परता से पालन करे सरकार द्वारा अनेक जागरूकता अभियान समय–समय पर संचालित किये जा रहे है पल्स पोलियो अभियान इस अभियान का परिणाम यह निकला कि आज भारत पोलियो मुक्त बन चुका है।

सामाजिक और आर्थिक न्याय :– लोकतंत्र का मूल उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक न्याय स्थापित करना है सामाजिक आर्थिक न्याय से तात्पर्य है समाज में सभी व्यक्तियों की गरिमा और सम्मान बना रहे और आर्थिक स्थिति लगभग समान होनी चाहिए भारतीय सवंधिान के अनु 38 व अनु. 39 में सामाजिक आर्थिक न्याय की स्थापना का प्रावधान किया गया है।

मीडिया के उद्देश्य:– उदारीकरण, निजीकरण अरैर वैश्वीकरण के युग में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो चुकी है मीडिया के उद्देश्य निम्न है

1. विशुद्ध, निष्पक्ष एवं पारदर्शी सूचनाओं एवं जानकारियों का सम्प्रेषण – उदाहरण के तौर पर हाल का परिदृश्य
2. देखा जा सकता है फ्रांस में नवंबर–दिसम्बर 2018 के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्वी की गई मीडिया जनता को जागरूक किया परिणामस्वरूप जनता सरकार के विरोध में सडको पर उतर आयी और अन्ततः सरकार को कीमतों में वृद्वी को वापस लेना पडा।
3. जनजागरण एवं जागरूकता – मीडिया ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा कम से कम समय में अधिक से अधिक जनता को सूचनाएं एवं जानकारी संम्प्रेषित की जा सकती है भारत में सन् 2011 में जनलोकपाल पद की व्यवस्था करने के लिए मीडिया और सोशल मीडिया ने व्यापक स्तर पर प्रसार किया परिणामस्वरूप सरकार को दबाव में आकर लोकपाल के लिए कमेटी गठित की अटब क्रांति(अरब बंसत) भी इसी का परिणाम थी।
4. विभिन्न सरकारी योजनाओं, नीतियो और कार्यक्रमों को कम से कम समय में अधिक से अधिक लोगो तक पहुॅचाने आजकल बहुत से सरकारी कार्यक्रमों की सफल क्रियान्विति से मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
5. प्लस पोलियों अभियान – मीडिया के प्रभावी, प्रचार–प्रसार के कारण आज भारत पोलियो मुक्त हो चूका है इसी तरह एड्स अभियान महानरेगा, स्वच्छ भारत मिशन आदि काफी हद तक सफल रहे है।
6. सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन में – आजकल बहुत से देशों में सूचना का अधिकार विद्यमान है लेकिन इसकी सफलता पर प्रश्नचिह्न लगाए जाते है क्योकि कई बार प्रशासन द्वारा सूचनाऍ ठीक ढंग से नही पहुॅचायी जाती है आर.टी.आई. कार्यकर्ताओं को पीटा जाता उन्हें डराया धमकाया जाता है कई बार तो उन्हें जीवन से ही हाथा धोना पडता है लेकिन मीडिया की बढती सक्रियता से ऐसी प्रवृतियॉ कम होती जा रही है सूचना के अधिकार द्वारा बडे से बडा नेता है और प्रशासक बेनकाब हुए है वास्तव में मीडिया की सक्रियता से ही सूचना के अधिकार का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ है।
7. उत्तरदायी, जबावदेह एवं पारदर्शी प्रशासन के लिएः– लोकतंत्र की प्रथम शर्त उत्तरदायी, जबावदेह एवं पारदर्शी प्रशासन की स्थापना करना है इसके लिए जनता को जागरूक किया जाना बहुत जरूरी है साथ ही सूचनाओं एवं जानकारियों को सटीक सम्प्रेषण होना बहुत जरूरी है और यह भूमिका बेखूबी पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से मीडिया द्वारा ही निभाई जा सकती है आज मीडिया की सक्रियता का ही परिणाम है कि सरकार उत्तरदायी जवाबदेह का ही उदाहरण देखा जा सकता है राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर शहर के विकास के लिए मास्टर प्लान बनाया था लेकिन विकास मास्टर प्लान के अनुसार नहीं हुआ मीडिया ने इस मुद्दें को प्रमुखता से बार–बार उठाया अन्ततः न्यायपालिका ने मीडिया में छपी खबरों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार से मास्टर प्लान की रिपोर्ट मॉग ली। और मजबुरन

सरकार को मास्टर प्लान की रिपोर्ट न्यायलय को देनी पडी तथा माफी मॉगते हुए आगे से ठीक ढंग से कार्य करने की शपथ ली।

लोकतंत्र के निर्माण में मीडिया की भूमिकाः–

सकारात्मक भूमिकाः–

1. लोकतंत्र की स्थिरता और विकास – लोकतंत्र चूँकि जनता का शासन है अतः सरकार का उत्तरदायी, जवाबदेह, और पारदर्शी तरीके से कार्य करना बहुत जरूरी है अतः ऐसी अवस्था में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण बन जाती है इसके लिए मीडिया का भारी पारदर्शी और निष्पक्ष होना बहुत जरूरी है भारत के लोकतंत्र की स्थिरता और विकास के लिए मीडिया ने निष्पक्ष और महत्वपूर्ण भूमिका है भारत में अनवरण रूप से लोकतंत्र के सफल संचालन में मीडिया की महत्पूर्ण भूमिका रही है भारत के पडोसी राष्ट्रों में मीडिया पर प्रतिबंध के कारण लोकतंत्र का सफल संचालन नही हो पाया जैसे पाकिस्ताान में अधिकांश समय तक सैनिक तानाशाही रही है।
2. जनजागरण एवं जनजागरूकता के स्तर में वृद्वि – 1990 के दशक के बाद विश्व में मीडिया का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार हुआ है मीडिया की बढती सक्रियता का ही परिणाम है कि जनता निरन्तर जागरूक होती जा रही है सूचना का अधिकार रोजगार का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, आदि मीडिया की सक्रिय एवं निष्पक्ष भूमिका के कारण ही सफल हुए मीडिया ने समय समय पर जनता को जागरूक करने मे महती भूमिका निभाई है आज लोकतंत्र विकास के साथ जुड चुका है।
3. सरकारी निर्णयों, योजनाओ, लाभों– आदि को त्वरित रूप में लोगो तक पहुॅचाना ऐसे अनेक उदाहरण है जिनमें मीडिया की सक्रिय भूमिका रही है जैसे प्लस पोलियों अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, एड्स जागरूकता अभियान राशन, वितरण प्रणाली, छात्रवृति स्कीम आदि निसंदेह सरकारे भी अपनी योजनाओं नीतियों और लाभो को मीडिया द्वारा ही प्रचारित करती है और जनमत का निर्माण किया जाता है।
4. जनता एवं सरकार के बीच सम्पर्क एवं समन्वय का कार्य – मीडिया के द्वारा ही सरकार और जनता के बीच सम्पर्क और समन्वय का कार्य किया जाता है चाहे सरकारी योजनाओं नीतियों और कार्यक्रमों का जनता मे प्रसार करना हो या जनमत का निर्माण करना हो।
5. राजनीतिक संस्कृति के निर्माण में – राजनीतिक संस्कृति का प्रचार प्रसार मीडिया द्वारा ही किया जाता है राजनीतिक संस्कृति जितनी मूल्यवान और विसापरक होगी उतना ही लोकतंत्र के मजबूत होने के लिए अनिवार्य है सरकार अपना वोट बैंक बढाने के लिए अपने अनुकूल राजनीतिक संस्कृति का निर्माण करती है और सत्ता प्राप्त करती है लेकिन ये सब कार्य मीडिया द्वारा ही संभव है भारतीय राजनीतिक संस्कृति का निर्माण मीडिया द्वारा ही संभव हुआ और अब तक स्थिर लोकतंत्र रहने में भी मीडिया की भूमिका ही थी।

6. राष्ट्रवाद की भावना और देश भक्ति की भावना का निर्माण

नकारात्मक भूमिकाः– वर्तमान उदारीकरण, निजीकरण औरर वैश्वीकरण के प्रभाव से वर्तमान युग आर्थिक युग बन चुका है। टीवी चैनलों और समाचार पत्रों की बाड सी आ गयी है। हर किसी का ध्येय अधिक से अधिक पैसा कमाना है इसके लिए चाहे उन्हे नकारात्मक खबरें ही क्यों ना प्रकाशित करनी पडें आजकल मीडिया विज्ञपानों की शर्तो पर कार्य करने लगा है हाल ही का उदाहरण सन् 2018 में भारत में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, किसान आंदोलन आदि समस्याए सामने थी , लेकिन मीड़िया ने इन खबरों का प्राथमिकता से प्रकाशित नहीं किया बल्कि फिल्म पदमावत् अयोध्या मंदिर निर्माण , बीप पर राजनीती व हनुमान जी की जाति बताना आदि नकारात्मक खबरों को प्राथमिकता दी जो की मीडिया की संवेदनहिनता दर्शाता है।

उक्त विश्लेषण से स्पष्ट है की मीड़िया की भूमिका लोकतंत्र के निर्माण और विकास के लिए महत्वपूर्ण है , जो निम्न उक्ति द्वारा स्पष्ट होती है।

शक्ति का स्त्रोत है वाणी में तेरी आज है
लोक के इस तंत्र का तू एक महान स्तम्भ है
मूल अपने स्वार्थ को देश का निर्माण कर
मनुज के मन में नया फिर से तू ही विश्वास भर

संदर्भ पुस्तके :–

1. बीबीसी हिन्दी न्यूज
2. 2.राजनीतिक चिंतन की रूपरेखा और तुलनात्मक राजनीति–ओपी गाबा।
3. मीड़िया और लोकतंत्र–जॉन किन्स
4. पत्रिकाएं हिन्दुस्तान टाईम्स जनसत्ता।